भारत सरकार **राज्य सभा**

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय **अतारांकित प्रश्न सं.1862**

दिनांक 29 अगस्त, 2012 को उत्तर दिए जाने के लिए

पहाड़ी क्षेत्रों में स्थित चाय बागानों की मृदा की स्थिति

1862. श्री प्रशांत चटर्जीः क्या वाणिज्य और उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने पहाड़ों में स्थित चाय बागानों की मृदा की स्थिति का पता लगाने के लिए चाय बोर्ड से कोई अध्ययन कराया है;

(ख) क्या यह सच है कि वर्षा तथा रासायनिक उर्वरकों के प्रयोग के कारण पहाड़ी क्षेत्रों के अधिकांश चाय बागानों की ऊपरी मृदा बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई है; और

(ग) यदि हां, तो सरकार द्वारा स्थिति में सुधार लाने के लिए क्या कार्रवाई की गई है?

उत्तर

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री ज्योतिरादित्य मा0 सिंधिया)

(क) एवं (ख) : जी, हाँ । चाय बोर्ड ने देश में चाय अनुसंधान संस्थानों के जरिए पहाड़ों में स्थित चाय एस्टेटों की मृदा हालात पर अध्ययन कराए हैं और अनुसंधान आंकड़े बताते हैं कि भारी वर्षा और रासायनिक उर्वरकों के उपयोग के कारण ऊपरी मृदा हट गयी है/क्षतिग्रस्त हो गई है ।

(ग) चाय अनुसंधान संस्थान द्वारा की गई फील्ड परीक्षण के जरिए उपयोगी वैज्ञानिक सूचना सृजित की गई है जिसे एडवाइजरी बुलेटिन के रूप में चाय उद्योग जगत में प्रचारित किया गया है । चाय उद्योग अनुसंधान संस्थानों की सिफारिशों का अधिकांशतः पालन करता है । चाय अनुसंधान संस्थान कार्बनिक खाद के प्रयोग, नजदीकी रोपण, रोपण के तुरंत बाद बताए गए क्षेत्र को पतवार से ढ़कने और पहाड़ी क्षेत्र में चाय बागानों में मृदा की स्थिति में सुधार हेतु क्षति रोकने के लिए ऊपरी मृदा का संरक्षण करने और कटाई रोकने के उद्देश्य से कवर फसल का प्रयोग करने की भी सलाह देता है ।

.....